

व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि – हथकरघा (खादी)

द्वारा

गुनबा- स्वयं सहायता समूह



एसएचजी/सीआईजी नाम	::	गुनबा
वी एफ डी एस नाम	::	लियो
श्रेणी	::	मॉलिंग
विभाजन	::	किन्नौर

इसके तहत तैयार:



हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना
(जाईका सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठ
1.	परिचय	3-4
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	5
3.	लाभार्थियों का विवरण	6
4.	गांव का भौगोलिक विवरण:	6-7
5.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
6.	उत्पादन योजना का विवरण	7-8
7.	पंक्ति सामग्री की आवश्यकता और अनुमानित उत्पादन	8-9-10
8.	विपणन/बिक्री का विवरण	10
9.	समूह सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
10.	ग्राहकों	11
11।	केंद्र का लक्ष्य	11
12.	स्वोट अनालिसिस	11
13.	संभावित चुनौतियों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय	12
14.	मशीनरी, औजार और अन्य उपकरण	12-15
15.	महीने में कुल उत्पादन और बिक्री राशि	15-17
16.	लाभ का बंटवारा	17
17.	समूह में निधि प्रवाह	17
18.	धन का स्रोत और खरीद	17-18
19	प्रशिक्षण / क्षमता निर्माण / कौशल उन्नयन	18
20	ऋण चुकौती अनुसूची	18
21	निगरानी विधि	18-19
22	टिप्पणी	19
23	समूह सदस्यों की तस्वीरें	19-20-21
24	ब्याज घर के नियमों की सूची	21-22-23

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश भारत के उत्तरी भाग में स्थित एक राज्य है और पश्चिमी हिमालय में स्थित है। इसकी विशेषता कई चोटियों और व्यापक नदी प्रणाली की विशेषता वाले चरम परिदृश्य हैं। हिमाचल प्रदेश को "भगवान की भूमि" के रूप में जाना जाता है और यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश वनस्पतियों और जीवों से समृद्ध है।

राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीट्रिक टन ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों तक 55,673 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यह घाटियों में फैला हुआ है, जहाँ से कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जलविद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं।

हिमाचल प्रदेश में 12 जिले हैं और किन्नौर राज्य के बारह प्रशासनिक जिलों में से एक है। किन्नौर जिला तीन प्रशासनिक उप-विभागों में विभाजित है, जैसे कल्या, निचार (भाबानगर) और पूह और इसमें छह तहसील हैं। जिले का मुख्यालय रिकांगपिओ में स्थित है। यह लाहुल और स्पीति के बाद हिमाचल प्रदेश का दूसरा सबसे कम आबादी वाला जिला है। 2011 की जनगणना के अनुसार किन्नौर जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 6401 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या 84121 है।

किन्नौर जिला कभी निषिद्ध क्षेत्र था, लेकिन अब यह साहसी और साहसी साधकों के लिए एक खजाना बन गया है। भगवान शिव का निवास किन्नर कैलाश पर्वत कल्या से देखा जा सकता है। इसके अलावा नाको गांव में प्राचीन काल की झलक मिलती है। निचले किन्नौर में हिंदू धर्म का बहुत प्रभाव है, साथ ही उनकी आस्थाओं में बौद्ध धर्म के निशान भी हैं, और ऊपरी इलाकों में बौद्ध धर्म का बोलबाला है और दोनों धर्म एक साथ सद्भाव में रहते हैं। किन्नौर जिला अपने सूखे मेवों जैसे चिलगोजा, खुबानी और बादाम के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा सेब की खेती ने भी गति पकड़ी है और अब किन्नौर जिले के सेब राज्य के अन्य हिस्सों की तुलना में सबसे अधिक कीमत पर मिल रहे हैं।

किन्नौर जिले के स्थानीय निवासी पारंपरिक रूप से हाथ से बुने हुए कपड़े पहनते हैं जो स्मृति की पहुंच से परे मौजूद हैं। जलवायु की दृष्टि से किन्नौर को 3 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है अर्थात् आर्द्र क्षेत्र, शुष्क क्षेत्र और शुष्क क्षेत्र। जानी क्षेत्र आर्द्र क्षेत्र में आता है और स्थानीय लोग ऊनी कपड़े पहनते हैं जिन्हें 'पूर्ण डिजाइन शॉल और साधारण शॉल, स्टाल, बॉर्डर, पूर्ण

डिजाइन पट्टू (पूर्ण डिजाइन और साधारण डोहरू) और ऊनी पट्टी'महिलाओं के लिए ऊनी कपड़े और पुरुषों के लिए 'पट्टी' से ऊनी कपड़े। इसके अलावा पुरुष और महिलाएं ऊनी टोपी (किन्नौरी टोपी) पहनते हैं। ये कपड़े भेड़ों के ऊन से तैयार किए जाते हैं जिन्हें स्थानीय लोग सदियों से पालते आ रहे हैं।

किन्नौर में हथकरघा उद्योग में उत्कृष्ट शिल्प कौशल की एक लंबी परंपरा है, जो जीवंत भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व और संरक्षण करती है। इस उद्योग का संचालन मुख्य रूप से घरेलू आधारित है, जिसमें परिवार के विभिन्न सदस्य उत्पादन के लिए संयुक्त प्रयास करते हैं।

इस SHG में शामिल महिलाएँ अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही सक्रिय हैं। अब सदस्यों ने IGA के रूप में इस गतिविधि को चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसे कमा सकें और मुश्किल समय के लिए कुछ बचत भी कर सकें। अलग-अलग आयु वर्ग की 10 महिलाओं का एक समूह JICA परियोजना के तहत एक SHG बनाने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया जो उन्हें सामूहिक रूप से इस IGA को लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

3.1	एसएचजी/सीआईजी नाम	::	गुनबा
3.2	वीएफडीएस नाम	::	लियो
3.3	श्रेणी	::	मॉलिंग
3.4	विभाजन	::	किन्नौर
3.5	गाँव	::	लियो
3.6	अवरोध पैदा करना	::	पूह
3.7	ज़िला	::	किन्नौर
3.8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	10- महिलाएं
3.9	गठन की तिथि	::	11-08-2022
3.10	बैंक खाता सं.	::	26710100768
3.11	बैंक विवरण	::	राज्य सहकारी बैंक लियो
3.12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100-(बैठक प्रत्येक माह की 13 तारीख को आयोजित होगी)
3.13	कुल बचत	::	
3.14	कुल अंतर-ऋण	::	
3.15	नकद क्रेडिट सीमा	::	
3.16	पुनर्भुगतान स्थिति	::	

3. लाभार्थियों का विवरण:

क्रमांक	नाम(श्री/श्रीमती)	पिता/पति का नाम (श्री)	आयु	वर्ग	जारी संख्या	पद का नाम	आय स्रोत
1	श्रीमती कमलेश रानी	श्री जीतन ज्योति	42	अनुसूचित जनजाति	8091797171	(प्रधान)	कृषि
2	श्रीमती कंचन कुमारी	श्री सोनम तोपड़ा	34	अनुसूचित जनजाति	7018379608	सेक्रेटरी	कृषि
3	श्रीमती दोर्जे डोल्मा	श्री राजू राम	39	अनुसूचित जनजाति	9459877309	सदस्य	कृषि
4	श्रीमती बिमला देवी	श्री सुजान सिंह	44	अनुसूचित जनजाति	8988274023	सदस्य	कृषि
5	श्रीमती छेरिम डोल्मा	श्री पनमा दोरजे	39	अनुसूचित जनजाति	9015205880	सदस्य	कृषि
6	श्रीमती हिमाचली देवी	श्री मनोज कुमार	44	अनुसूचित जनजाति	7018182578	सदस्य	कृषि
7	श्रीमती छेरिम	श्री हुराम देवी	58	अनुसूचित जनजाति	9459364894	सदस्य	कृषि
8	श्रीमती सविता देवी	श्री पनसांग टुंडुप	28	अनुसूचित जनजाति	8988045370	सदस्य	कृषि
9	श्रीमती डोलमा छेरिम	श्री शेर सिंह	49	अनुसूचित जनजाति	6230395348	सदस्य	कृषि
10	श्रीमती कुसुम नेगी	श्री ज्ञान सिंह	34	अनुसूचित जनजाति	8580850129	सदस्य	कृषि

4. गांव का भौगोलिक विवरण:

4.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	123 कि मी
4.2	मुख्य सड़क से दूरी	::	एनएच 5 से 2 कि मी
4.3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	::	रिकांगपिओ 123 कि मी, रामपुर 223 कि मी और काजा 100 कि मी

4.4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	::	रिकांगपिओ-123 कि मी और रामपुर-223 कि मी और काजा 100 कि मी
4.5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	::	रिकांगपिओ-123 किलोमीटर रामपुर-223 किलोमीटर
4.6	उन स्थानों/स्थानों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	::	रिकांगपिओ-123 किमी और रामपुर-223 किमी और काजा 100 कि मी

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	पूर्ण डिजाइनगैलिचा (कालीन)
2	उत्पाद पहचान की विधि	यह गतिविधि स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तय की गई है। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह का एक सदस्य पहले से ही यह गतिविधि कर रहा है। स्थानीय बाजार में इसकी भारी मांग है जिससे अतिरिक्त आय बढ़ेगी।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

6. उत्पादन योजना का विवरण:

समूह के सदस्यों को पूर्ण डिजाइन गैलिशिया उत्पादों के निर्माण के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद समूह के सदस्यों द्वारा निम्नलिखित चरणों का पालन किया जाएगा: -

1. इसके निर्माण के लिए ताना और बाना (ताना और बाना) का काम वार्पिंग मशीनों द्वारा किया जाएगा। इससे समय और श्रम व्यय की बचत होगी।
2. वस्तुओं के निर्माण के लिए समूह के सदस्यों द्वारा श्रम का विभाजन किया जाएगा।
3. सदस्य कच्चा माल लाएंगे और बारी-बारी से वस्तुओं का वितरण करेंगे।
4. सदस्यों को प्रतिदिन कम से कम 4-5 घंटे काम करना होगा।

6.1	समय लिया	::	पूर्ण डिजाइन गलीचा, कालीन: कम से कम दो सदस्यों द्वारा 4-5 घंटे काम करने के बाद एक पूर्ण डिजाइन गलीचा/कालीन एक महीने में तैयार हो जाएगा। कुर्सी और वाहन के लिए कालीन: विभिन्न प्रकार के पांच सेट सदस्यों द्वारा 4-5 घंटे काम करने के बाद एक महीने में कुर्सी और वाहन के लिए कालीन डिजाइन किए जाएंगे।
-----	----------	----	---

6.2	शामिल सदस्यों की संख्या	::	10.
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	रामपुर
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
6.5	उत्पादन चक्र (दिनों में) 4-5 घंटे/दिन कार्य के पश्चात 30 दिन प्रतिदिन।	::	3 नंबरफुल डिजाइन कालीन कुर्सी के लिए 15 सेट पूर्ण डिजाइन कालीन वाहन और कार के लिए 8 सेट पूर्ण कालीन
6.6	प्रति चक्र आवश्यक श्रमिक (संख्या)	::	पूर्ण डिजाइन कालीन के लिए 05 सदस्य अध्यक्ष पद के लिए 02 सदस्य वाहन एवं कार के लिए 03 सदस्य कुल-10 सदस्य

7. सामग्री की आवश्यकता और अनुमानित उत्पादन:

1. विपणन/बिक्री का विवरण:

7.1	संभावित बाजार स्थान/स्थान	::	स्वयं गांव, पूह-75 कि मी, काजा, 100 रिकांगपिओ-123 कि मी और रामपुर-223 कि मी
7.2	माँग	::	साल भर।
7.3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के गांवों/बाजार से संपर्क करेंगे
7.4	विपणन रणनीति	::	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे निकटवर्ती गांवों/बाजार से ऑर्डर लेंगे।
7.5	उत्पाद का ब्रांड	::	गुनबा गैलिचा, कार और कुर्सी परियोजना

2. समूह के सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण:

- प्रबंधन के लिए नियम बनाये जायेंगे।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का वितरण करेंगे।
- आबंटन कार्य की दक्षता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का वितरण भी कार्य की गुणवत्ता, कौशल एवं परिश्रम के आधार पर किया जाएगा।
- मार्केटिंग में अनुभव रखने वाले 04 सदस्य बारी-बारी से मार्केटिंग करेंगे।
- प्रधान और सचिव एक ही समय में प्रबंधन का मूल्यांकन और निरीक्षण करते रहेंगे

3. ग्राहकों

हमारे केंद्र के प्राथमिक ग्राहक ज्यादातर गांव के आसपास के स्थानीय लोग होंगेलियो, लेकिन बाद में इस व्यवसाय को आस-पास के छोटे कस्बों में भी फैलाकर बढ़ाया जा सकता है।

4. केंद्र का लक्ष्य

केंद्र का मुख्य उद्देश्य प्रदान करना है यह विशेष रूप से लियों के निवासियों और आसपास के गांवों के सभी अन्य निवासियों के लिए एक अतिरिक्त आधुनिक और उच्च श्रेणी की गैलिया सेवा प्रदान करेगा।

यह केंद्र आने वाले वर्षों में अपने परिचालन क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रतिष्ठित कालीन बुनाई केंद्र बन जाएगा।

5. स्पोर्ट्स अनालिसिस

❖ ताकत

- ☂ कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधि की जा रही है
- ☂ कच्चा माल आस-पास के बाजारों में आसानी से उपलब्ध
- ☂ विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
- ☂ उचित पैकिंग और परिवहन में आसानी
- ☂ परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- ☂ उत्पाद का स्वयं-जीवन लंबा है

❖ कमजोरी

- ☂ तकनीकी जानकारी का अभाव

❖ अवसर

- ☂ अच्छे उत्पादों की बढ़ती मांग

❖ खतरे/जोखिम

- ☂ प्रतिस्पर्धी बाजार
- ☂ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण एवं कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों में प्रतिबद्धता का स्तर

6. संभावित चुनौतियों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय:

क्रमांक	जोखिमों का विवरण	::	जोखिम न्यूनीकरण के उपाय
13.2	यह संभव है कि बाजार में मांग कम हो जाए, जिससे बिक्री और आय प्रभावित हो।	::	विपणन उद्देश्य के लिए अतिरिक्त बाजार की खोज की जानी चाहिए।
13.3	उत्पादन की गुणवत्ता में गिरावट के कारण बिक्री कम हो सकती है।	::	उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को सख्त दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

7. मशीनरी, औजार और अन्य उपकरण

एक	पूँजीगत लागत			
क्रमांक	मशीनरी का विवरण.	मात्रा	प्रति यूनिट दर	कुल राशि
1.	खादी-45 इंच	10	12000	120,000

2.	शटल	3	2500	7500
3.	कंघा	3	8000	24000
4.	शेड लाठी	6	1500	9000
5.	भंडारण बॉक्स (ट्रंक)	2	5000	10,000
6.	पिट लूम	10	3000	30000
7.	कैंची	2 जोड़ी	1500	3000
8.	हथौड़ा	5	200	1000
9.	इंच टैप	3	5	15
10.	कुर्सी और मेज	3	एल/एस	15000
कुल पूंजी लागत				2,19,515

बी। आवर्ती लागत

1. पूर्ण डिजाइन मैलिचा (कालीन)

क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति यूनिट दर(रु.)	राशि (रु.)	अपेक्षित उत्पाद मात्रा
1.	कच्चा माल (ताना-बाना) (ओसवाल)	किलोग्राम.	30	2000	60000	30 शॉल
2.	30 शॉल के लिए वार्षिक मशीन का खर्च	नहीं।	90	25	2250	
	कुल				62,250	

2. कुर्सी कालीन

क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति यूनिट दर (रु.)	राशि (रु.)	अपेक्षित उत्पादन मात्रा
1.	कच्चा माल (ताना) (ताना)	किलो	30	450		

		ग्राम.			13500	10 सेट कालीन
	कच्चा माल (बाना)(बाना)	किलो ग्राम	50	650	32500	
	बहुरंगी डिज़ाइन की लागत	किलो ग्राम	50	650	32500	
2.	वार्षिक मशीन का खर्च	नहीं।	3	100	300	
	कुल				78800	

3. वाहन कालीन

क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति यूनिट दर (रु.)	राशि (रु.)	अपेक्षित उत्पादन मात्रा
1.	कच्चा माल (ताना) (ताना)	किलो ग्राम	24	450	10800	8 वाहन कालीन सेट
	कच्चा माल (बाना)(बाना)	किलो ग्राम	40	650	26000	
	बहुरंगी डिज़ाइन की लागत	किलो ग्राम	40	650	26000	
2.	वार्षिक मशीन का खर्च	नहीं।	3	100	300	
	कुल				37100	

क्रमांक	विवरण	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कमरे का किराया और बिजली	3000	2000
2	वैकिंग सामग्री और भंडारण बॉक्स	5000	5000
3	माल ढुलाई शुल्क (कच्चा माल और अंतिम उत्पाद)	3000	3000
4	अन्य (स्थिर, परिवहन, मशीन मरम्मत)	1500	1500

कुल आवर्ती लागत (बी)	289900
आवर्ती व्यय = कुल आवर्ती-श्रम मजदूरी =289900-197100=92800	
कुल व्यय=A+B 219515+92800	3,12,315

8. महीने में कुल उत्पादन और बिक्री राशि

चूंकि यह एसएचजी में उनके नियमित घरेलू काम के अलावा एक अतिरिक्त गतिविधि है, इसलिए परिणाम प्रत्येक सदस्य के काम के घंटों के अनुपात में होगा। हमेशा शुरुआत में उत्पादन को रुढ़िवादी पक्ष पर रखना बेहतर होता है जिसे हमेशा समय बीतने और कार्य अनुभव के साथ बढ़ाया जा सकता है।

सी)	कुल बिक्री			
क्रमांक	विशिष्ट	मात्रा	दर (रु.)	राशि (रु.)
1	पूर्ण डिजाइन मैलिचा (कालीन)	12	25000	300000
2	कुर्सी कालीन	10	8000	80000
3	वाहन कालीन	8	8000	64000
4	कुल (सी)			444000

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान (75%)	एसएचजी योगदान (25%)
कुल पूंजी लागत	219515	1,64,636	54,879
आवर्ती लागत			
प्रति माह अन्य व्यय	289900	-शून्य-	289900
कुल	5,09,415	1,64,636	3,44,779

एक माह में कुल बिक्री = 4440000

पहले महीने में कुल व्यय = 3,12,315

हालांकि, 164636 रुपये की राशि परियोजना सहायता है इसलिए गणना के उद्देश्य से इस राशि को व्यय कॉलम से सुरक्षित रूप से घटाया जा सकता है और शुद्ध आय को फिर से फिर से डाला जा सकता है। इसके अलावा, SHG के सदस्य सामूहिक रूप से काम करेंगे इसलिए उनकी मजदूरी को ध्यान में नहीं रखा गया है। महीने के अंत में शुद्ध आय को निम्नानुसार फिर से डाला जाता है:

पूँजीगत लागत		
विवरण	मात्रा	एसएचजी योगदान
पूँजीगत लागत	219515	54879
<u>आवर्ती व्यय</u>		
i) प्रति माह पूँजीगत लागत पर 10% मूल्यहास	3100	
i) सामग्री लागत आदि पर अन्य व्यय।	289900	
कुल	293000	
कुल लागत	54879+293000=344779	
पहले महीने में कुल बिक्री	444000	
शुद्ध लाभ	99,221	

9. लाभ का बंटवारा

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने आपसी सहमति से यह निर्णय लिया है कि प्रथम माह में प्रत्येक सदस्य को 6000 रुपये आय के रूप में दिए जाएंगे तथा शेष 39,221 रुपये का लाभ उनके बैंक खाते में आपातकालीन आरक्षित निधि के रूप में रखा जाएगा, ताकि भविष्य में किसी आकस्मिक आवश्यकता की पूर्ति की जा सके।

10. समूह में निधि प्रवाह:

क्रमांक।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूँजी लागत	219515	1,64,636	54,879
2	कुल आवर्ती लागत	289900	0	289900
3	प्रशिक्षण	100000 (2 प्रशिक्षण के लिए)	1,00,000	0
	कुल परिव्यय	6,09,415	2,64,636	3,44,779

टिप्पणी-

- पूँजीगत लागत -कुल पूँजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा
- आवर्ती लागत-पूरी लागत का वहन कंपनी द्वारा किया जाएगा। एसएचजी/सीआईजी.
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन – कुल लागतपरियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

8. धन के स्रोत और खरीद:

परियोजना समर्थन;	• पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में एक लाख रुपये तक की धनराशि परिक्रामी निधि के रूप में जमा की जाएगी। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद मशीनों की खरीद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। • आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

9. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

10. ऋण चुकौती अनुसूची-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

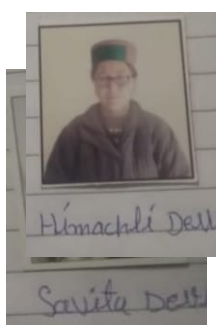
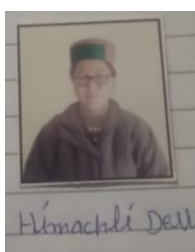
- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

11. निगरानी विधि-

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की भी समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

12. टिप्पणी

समूह सदस्यों की तस्वीरें-



1. समूह कार्य: हथकरघा (मलीचा);
2. समूह का पता: गांव लियो, डाकघर, तहसील- जिला- किन्नौर हिमाचल प्रदेश।
3. समूह के कुल सदस्य: 10
4. प्रथम समूह बैठक की तिथि.11-08-2022
5. समूह में प्रत्येक 100 रुपए पर 2 रुपए ब्याज मिलेगा।
6. समूह की मासिक बैठक प्रत्येक माह की 25 तारीख को आयोजित की जाएगी।
7. समूह के सभी सदस्य प्रतिमाह बचत की गई राशि समूह में जमा करेंगे।
8. स्वयं सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्यों को उपस्थित होना होगा।
9. स्वयं सहायता समूह का खाता खोला जाएगा राज्य सहकारी बैंक लियो में
10. समूह बैठक में उपस्थित होने के लिए प्रधान एवं सचिव को उचित कार्य बताकर अनुमति लेनी होगी।
11. समूह में जो व्यक्ति बचत की राशि जमा नहीं करेगा या 3 बैठकों तक समूह से अनुपस्थित रहेगा तो उस व्यक्ति को समूह से हटा दिया जाएगा।
12. जो व्यक्ति बिना कारण बताए समूह में उपस्थित रहेगा तो अगली बैठक उसी व्यक्ति के घर पर होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को स्वयं देना होगा, यदि दो सदस्य हैं तो खर्च मिलकर देना होगा।
13. स्वयं सहायता समूह के प्रधान एवं सचिव का चुनाव सर्वसम्मति से किया जाएगा।
14. प्रधान एवं सचिव बैंक से लेन-देन कर सकेंगे, यह पद एक वर्ष के लिए वैध रहेगा।
15. मुखिया, सचिव या सदस्य समूह के विरुद्ध कोई कार्य नहीं करेंगे तथा सदैव समूह की राशि का ही उपयोग करेंगे।
16. यदि सदस्य किसी कारणवश समूह छोड़ना चाहता है, यदि इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को ऋण वापस करना होगा, तभी वह समूह छोड़ सकता है अन्यथा नहीं
17. बैठक में ऋण का उद्देश्य, राशि की वापसी का समय, ऋण की किस्त तथा ब्याज दर तय की जाएगी।

18. आपातकालीन स्थिति में प्रधानाचार्य एवं सचिव के पास कम से कम 1000 रुपये होने चाहिए।
19. स्वयं सहायता समूह का रजिस्टर सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए।
20. बड़े कर्जदारों को एक सप्ताह पहले सूचना देनी होगी।
21. जरूरत के समय सभी सदस्यों को ऋण उपलब्ध होना चाहिए।
22. यदि सदस्य बिना किसी कारण के ग्रुप छोड़ना चाहे तो उस सदस्य की जमा राशि ग्रुप में बांट दी जाएगी।
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट हर माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (मलिंग रेंज किन्नौर डिवीजन) के कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी।

समूह का सहमती पत्र

आज दिनांक 11-05-2023 गून्बा स्वयं सहायता समूह लियो में बैठक हुई यह बैठक प्रधान श्रीमति कमलेश रानी के अध्यक्षता में हुई। आज बैठक में यह चर्चा की सभी सदस्य ने यह निर्णय लिया की जायका वन विभाग की तरफ से जो धनराशी मिलेगी उसका उपयोग गलीचा बनाना सीखने के लिए किया जाएगा। जिसके लिए सभी सदस्यों की सहमती प्रकट की है। इस बैठक में सभी सदस्यों ने भाग लिया।

प्रधान
Kamlesh Rani
समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

प्रधान सचिव
Kanchan Kumar
समूह के सचिव के हस्ताक्षर

Memorandum of Understanding

Between

The Leo Village Forest Development Society/ BMC Sub Committee

And

The Forest Department (represented by DFO Kinnaur) for Participatory Forest Management.

Whereas

The Leo Village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee (hereinafter called "Society") has been constituted as per procedure described in the HP PFM Regulations notified by Govt. of HP vide No. FFE-C (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Pam III dated 19.11.2018, by the Villagers of Leo Village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee in district Kinnaur and Forest Division Kinnaur Himachal Pradesh and has an elected Executive Committee (hereinafter called "EC"),

as part of the Japan International cooperation Agency (JICA) supported "Project For Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and livelihoods" (hereinafter called -Project") the Micro plan (Forest Ecosystems Management Plan & Community Development & Livelihood Improvement Plan) for Forest Management and Community Development (hereinafter called "Plan") for Forest protection, rehabilitation and management of the specified forest areas has been jointly prepared by the Society and the Forest Division

the Plan contains details of program for conservation, management and development of forest areas, Biodiversity conservation, Livelihood improvement works and also the description of equitable distribution of usufructs obtained from allocated forest areas and public resources of the ward/village;

the Plan has been approved by the Officer in Charge of the Forest Division (here- in after called "Forest Officer") on behalf of Government of Himachal Pradesh;

Now here with

The Kinnaur Forest Division and the Society have mutually agreed on this MoU, and consequently. This MoU is executed with the following articles;

1. Purpose of the Memorandum of Understanding

This Memorandum of Understanding (hereinafter called -MoU details the responsibilities of the Society regarding management and protection of forest areas) and village(s) resource development, in the manner specified in the Plan and for equitable distribution of benefits amongst its members. It further details payments and support to be provided by the project and the associated conditions.

2. Responsibilities of the Society

- 2.1 With regard to its Constitution, working, powers, duties and benefits, the Society agrees to act in accordance with the HP Government Notification No. FFE-B-F (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Part- III dated 19.11.2018, and other relevant Government orders and instructions.
- 2.2 The Society agrees to provide all necessary assistance to the Forest Officer in selection of forest area(s) to be allotted to it for forest management and development so that there is no dispute regarding areas of common use of nearby villages.
- 2.3. The Society agrees to prepare and submit general house approved, quarterly physical & financial plans with budget requirements to FTU concerned for releasing funds after Plan's approval from PMU.
- 2.4. The Society agrees to identify Community Development Activities (CDAs) in conformity with the CDA guidelines, decide on these through a consultative process and implement them according to the relevant standards as applicable.
- 2.5. The Society agrees to carry out works laid out in the Plan for the forest area (such as planting, fencing, maintenance and protection) and in doing so, follow the principles of management of forest and wildlife specified therein, also taking into account the guidelines of the Government, prevalent legal provisions and technical principles. The Society will ensure that no existing acts/rules of forest/wildlife management are being violated.
- 2.6. The Society agrees to contribute membership fee through its members/user groups. The amount with interest will be available to VFDS/BMC (Sub-Committee) after project closure and can be used by VFDS/BMC (Sub-Committee) consensus. The amount deposition to be done within six months.
- 2.7. The Society agrees, after completion of the related works, to protect the forest area from fire, illicit grazing, illicit felling, and illicit transport. Illicit mining, encroachments and poaching and shall help the forest department in this regard.
- 2.8. The Society agrees to pass the information regarding person(s) engaged in banning the wild animals and forests or those engaged in illegal activities on to the Forest Department. The Society agrees to help forest employees in apprehending such person(s) and provide all possible assistance in protecting any seized produce etc.
- 2.9 The Society agrees to rectify any shortcomings found during review of its works by the Forest Officer/monitoring agency.
- 2.10 The Society agrees to keep accounts of income and expenditure of the funds from various sources and also to get regular annual audits done by the agency assigned by the Forest Officer.
- 2.11. The Society agrees to maintain the records specified by the project regularly and in prescribed formats.
- 2.12. The Society agrees that the distribution of products and services generated as a result of implementation of the Plan among its members/User Groups is done in an equitable manner. If the Forest Officer points out any mismanagement or irregularity in the equitable distribution of such products and services, then the

- Society agrees to implement the necessary corrections/improvements suggested by the Forest Officer.
- 2.13. Society agrees to ensure that there will be no miss utilization of funds provided by Forest Department for implementing project activities.
 - 2.14. Society will open two accounts of VFDS/BMC (Sub-Committee), One for FEMP implementation (FE Account) and second one as; revolving fund under Livelihood activities (CD&LI Account).
 - 2.15 The funds and maintenance of account would be in accordance with Para-36 to 43 of the Bye-laws notified by Govt. on dated 19-11-2018 for VFDS under the Project.
- 3. Responsibilities of the Forest Department**
- 3.1. The Forest Department will provide to the Society the related input materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in a timely manner.
 - 3.2. The Forest Department will provide the payments specified in the Plan to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan in a timely manner. The Society to prepare and submit general house approved, six monthly physical & financial plans with budget requirements to DMU through FTU concerned for release of funds. DMU to release the fund to the VFDS/BMC (Sub-Committee)
 - 3.3. Funds from other department's schemes as the Panchayat may be able to garner/converge, may also be used for activities that help meet the project's objectives.
 - 3.4. The Forest Department shall provide the necessary advice and guidance to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan.
 - 3.5 The Forest Department shall NOT be responsible for any loss in any of the works related to implementation of the Plan and no claim of any sort can be presented against Forest Department.
 - 3.6 Forest Department will take legal action against any mis appropriation of fund by VFDS/BMC (Sub-Committee).
- 4. Support by the Project**
- 4.1. The Project will provide funds for Community Development & Livelihood activities (CDAs) identified by the Society and in conformity with the CD&LIP guidelines, which will be implemented by the Society.
 - 4.2. The Project will provide to the Society if required the related input/materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in the required qualities and quantities.
 - 4.3. The Project will provide to the Society the payments specified in the Plan for implementation of works carried out in the PFM area on the basis of the Plan.
 - 4.4. The Project will provide to the Society members training and other capacity building measures, as well as support for income generating activities as specified in the Plan.

- 4.5. The funds earmarked for Plantations, soil and water conservation. Biodiversity conservation etc..will be credited into the VFDS/BMC (Sub-Committee) bank account according to six-month plan requirement (prepared from Micro plan) of VFDS/BMC (Sub-Committee). In addition, VFDS/BMC (Sub-Committee) to open an account for Livelihoods activity.
- 4.6. Payment and receipt of project funds will be strictly by means of cheques online payment/RTGS etc. or bank transfers to the account of the Society. Society will further distribute fund similarly.
- 5. Rights and Benefit Sharing**
 - 5.1. The Rights of right holders as admitted in the Forest Settlement will remain unaffected due to constitution of the Society and will continue to be exercised as heretofore.
 - 5.2. The Benefits which Society members and their user groups will be entitled to after closure of plots / patches in the forest for various project interventions are as follows:
 - i) to collect the yield such as fallen twigs, branches, lopping, grass, bamboos, fruits, flowers, seeds, leaf fodder and non- timber forests products free of cost through individual or collective arrangements as decided by the Society;
 - ii) to the sale proceeds of all intermediate harvest, subject to protection of forest and plantations for at least 3 years from the date of agreement;
 - iii) to organize and promote vocational activities related to forest produce and land; and other activities such as promotion of self-help groups which may provide direct benefits, including micro-lending to women. None of the activities so promoted shall affect the legal status of the forest land;
 - iv) recorded rights over the forest shall not be affected by these benefits;
 - v) after 5 years. the Society may expand the area, on the basis of a fresh agreement deed, by inclusion of adjoining or nearby areas;
 - vi) to utilize at least 40 percent of the sale proceeds on forest regeneration activities including soil and water conservation.
 - 5.3. provided that for the purpose of usufruct, the usufruct sharing family shall be one unit. The Society will be entitled to their share of payments from intermediate and final felling, whenever they take place in this forest, as laid out in the PFM Regulations of HP, 2000
- 6. Monitoring & Evaluation**
 - 6.1. Monitoring and Evaluation of project activities will be done at different levels, including by the EC, a participatory monitoring committee and an independent third party from Project authorities.
 - 6.2. The EC of VFDS/BMC (Sub-Committee) or any of its members will monitor progress and quality of work during execution of various works. The Member Secretaries will record the date, places and names of EC members who checked the work(s) and whether works were satisfactory and any instructions given.

- 6.3. A participatory monitoring committee made up of members of the Society, a member from the Panchayat as well as a representative from the Forest Department (e.g. Deputy RO) will on quarterly basis review objectives, inputs and work progress and report to the whole Society. Their reports will then be sent to the Forest Officer for further action.
- 6.4. Where Society groups have carried out or are responsible for activities like social fencing, fire prevention, plantations or maintenance of plantations, annual monitoring will be carried out by Project-approved monitors (Third Party) and the results of this monitoring linked to release of payments, a) for social fencing in lieu of barbed wire fencing, b) for fire prevention as specified in the Plan and c) for survival in forest plantations as given in the agreed to norms for that activity.
- 6.5. Settlement of Disputes: Settlement of disputes and conflict resolution will be governed as laid out under para 47, 48 and 49 of the Bye Laws notified by GoHP.

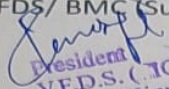
Memorandum of Understanding

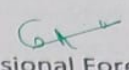
We are aware that the benefits mentioned in this agreement shall be available to the Society only when it discharges its duties, responsibilities and works in a satisfactory manner and this is certified by the Forest Officer every year. However, if the Forest Officer fails to fulfill conditions mentioned in Para 3 and 4 of this agreement and this is a cause for the Committee not able to discharge its responsibilities and works, and then it will be kept in mind while evaluating the works of the Committee every year.

I *P. D. Negi* President, *Leo* Joint VFDS/BMC

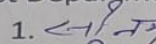
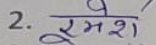
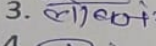
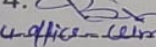
(Sub-committee), declare on behalf of the Society, that I am committed to follow all the conditions mentioned in this MOU and am signing this memo after reading/understanding all conditions mentioned herein, literally and I understand their original meaning.

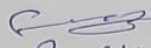
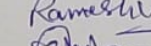
(Name and Signature of the President)
On behalf of VFDS/ BMC (Sub-committee)

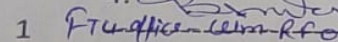

President
V.F.D.S. (JICA), Leo
District Kinnaur H.P.


Divisional Forest Officer
Kinnaur Forest Officer
On behalf of HPFD)

Witness: Village Forest Development Society /BMC(Sub-committee) and the Forest Department for Participatory Forest Management.

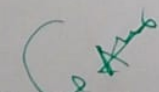
1.  (Name)
2.  (Name)
3.  (Name)
4.  (Name)


Ramesh Kumar

Rajendra Kumar

1.  (Position) undertake, on behalf of Kinnaur Division Forest Department to implement all duties responsibilities of the Forest Department mentioned in this memorandum.


Range Forest Officer
Range Forest Officer
Malling Range
Distt. Kinnaur

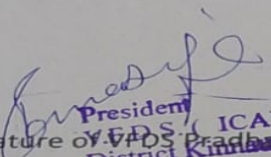
(Name and Signature of the Divisional Forest Officer or other officer authorized by him) On behalf of Kinnaur Forest Department.

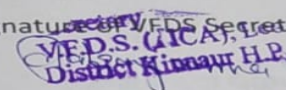

Kinnaur Forest Division
At R/Peo

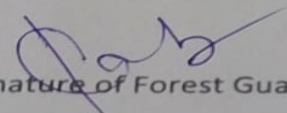
Business Plan Approval by VFDS & DM

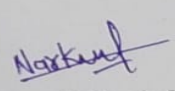
Gumba----- Self help group will undertake the Handloom (Oralinda)
As livelihood generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh
Forest Ecosystems & management & livelihood (JICA Assisted). In this regard business plan
of amount (Rs.) 6,09,415-----has been submitted by this group on dated -----
----- and this business plan has been approved by-----VFDS.Business
Plan with SHG resolutions being submitted to DMU through FTU for further action, please.

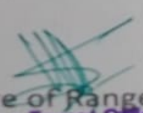
Thankyou


President
Signature of VFDS (ICA), Leo
District Kinnaur H.P.

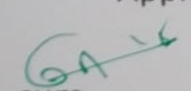

Signature of VFDS Secretary
VFDS (ICA), Leo
District Kinnaur H.P.


Signature of Forest Guard


Signature of Block forest officer


Signature of Range Forest officer
Range Forest Officer
Malling Forest Range
Distt. Kinnaur

Approved


DMU -cum-
Deputy conservator forests,
Kinnaur Division at R/Peo

Resolution -cum-group consensus form

It is decided in the general house meeting of the Self Help Group Gunba Held on 12.11.2022 at leo that our self help group will undertake the livelihood income generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods. (JICA Assisted.)

Shukla Dharma
Signature of Group Pradhan सचिव
नरवृ स्वयं सहायता समूह लियो,
तहसील हंगरंग, जिला किन्नौर (हि.प्र.)

Pradhan Sachiv
Signature of Group Secretary
नरवृ स्वयं सहायता समूह लियो,
तहसील हंगरंग, जिला किन्नौर (हि.प्र.)